Roll No. .....

MBAH-11

(Bachelor of Business Administration in Hindi Medium)

Fifth Semester, Examination–2014

(Only for MBA Hindi Medium)

CP-1007

Research and Communication Methodology

(अनुसंधान एवं संचार पद्धति)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र क्रमशः क, ख एवं ग तीन खंडों में विभाजित है । प्रत्येक खंड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें ।

भाग–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है । (2×15=30)

1. शोध अभिकल्प (रिसर्च डिजाइन) से आप क्या समझते हैं? शोध अभिकल्प के प्रमुख चरणों का वर्णन करें। प्रमुख शोध अभिकल्पों की सोदाहरण व्याख्या करें ।

2. अप्रायिकता प्रतिचयन से आप क्या समझते हैं ? प्रमुख मान्यताओं के संदर्भ में यह प्रायिकता प्रतिचयन से कैसे भिन्न है ? अप्रायिकता प्रतिचयन के प्रमुख प्रकारों की सोदाहरण व्याख्या करें ।

3. सम्प्रेषण प्रक्रिया के प्रतिमान क्या हैं ? सम्प्रेषण प्रक्रिया के शैनोन-वेवर तथा लॉसवेल प्रतिमानों का विस्तार से वर्णन करें ।

4. प्रभावी मौखिक सम्प्रेषण की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या करें । प्रभावी मौखिक सम्प्रेषण कौशल के विकास के लिए आप किन अभ्यासों व उपायों को सुझाएँगे ।

भाग-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

(4×5=20)

1. परिकल्पना (Hypothesis), सिद्धांत (Theory) तथा नियम (Laws) में क्या अंतर है? उदाहरण के साथ स्पष्ट करें ।

2. किसी शोध प्रस्ताव के मूल्यांकन के प्रमुख आधारों की विवेचना करें।

3. किसी उत्तम शोध अभिकल्प के प्रमुख गुणों की व्याख्या करें ।

4. प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों पर टिप्पणी लिखें ।

5. अभिवृत्ति मापनी के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट करें ।

6. ऊर्ध्वगामी, अधोगामी तथा पार्श्व सम्प्रेषण के संप्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट करें ।

7. औपचारिक तथा अनौपचारिक सम्प्रेषण को सोदाहरण स्पष्ट करते हुए उनके प्रमुख लाभों व सीमाओं को बताएँ ।

8. प्रभावी सम्प्रेषण की प्रमुख बाधाएं कौन-सी हैं ? स्पष्ट करें ।

भाग-ग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

$(10 \times 1 = 10)$

1. निर्णयात्मक प्रतिचयन विधि उदाहरण है :

   (अ) अप्रायिकता प्रतिचयन का

   (ब) प्रायिकता प्रतिचयन का

   (स) यादृच्छिक प्रतिचयन का

   (द) उपर्युक्त सभी प्रतिचयन विधियों का

2. एक सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करने से हुई गलती को निम्न में से क्या कहते हैं ?

   (अ) टाइप I त्रुटि (ब) टाइप II त्रुटि

   (स) (अ) तथा (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

3. निम्नलिखित में से किस सम्प्रेषण प्रक्रिया के प्रतिमान को 'सम्प्रेषण का गणितीय सिद्धांत' कहा जाता है -

(अ) अरस्तू का प्रतिमान (ब) शैनोन-वेवर प्रतिमान

(स) लॉसवेल का प्रतिमान (द) अंतर्वैयक्तिक प्रतिमान

4. वह चर जिस पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन शोधकर्ता करता है, कहलाता है -

(अ) स्वतंत्र चर (ब) परतंत्र चर

(स) परिनियामक चर (द) बाह्य चर

5. निम्नलिखित में से किस मापन स्तर पर तापमान का मापन होता है-

(अ) आन्तरालिक स्तर (ब) आनुपातिक स्तर

(स) नामित स्तर (द) क्रमित स्तर

निम्नलिखित के सामने सत्य/असत्य लिखें -

6. शोधकर्ता शोध के दौरान अवधारणा का परीक्षण नहीं करता है क्योंकि वह उसे सत्य मानता है । (सत्य/असत्य)

7. वैज्ञानिक सिद्धांत परिकल्पना का एक प्रमुख आधार है । (सत्य/असत्य)

8. परिनियामक चर स्वतंत्र तथा परतंत्र चर के संबंध पर कोई प्रभाव नहीं डालता। (सत्य/असत्य)

9. लंबे व लच्छेदार वाक्य प्रभावी लिखित सम्प्रेषण के लिए उत्तम माने जाते हैं । (सत्य/असत्य)

10. किसी विशेष संस्कृति से जुड़े हुए विशेष शब्दों का प्रयोग जनसंचार हेतु श्रेष्ठ माना जाता है । (सत्य/असत्य)